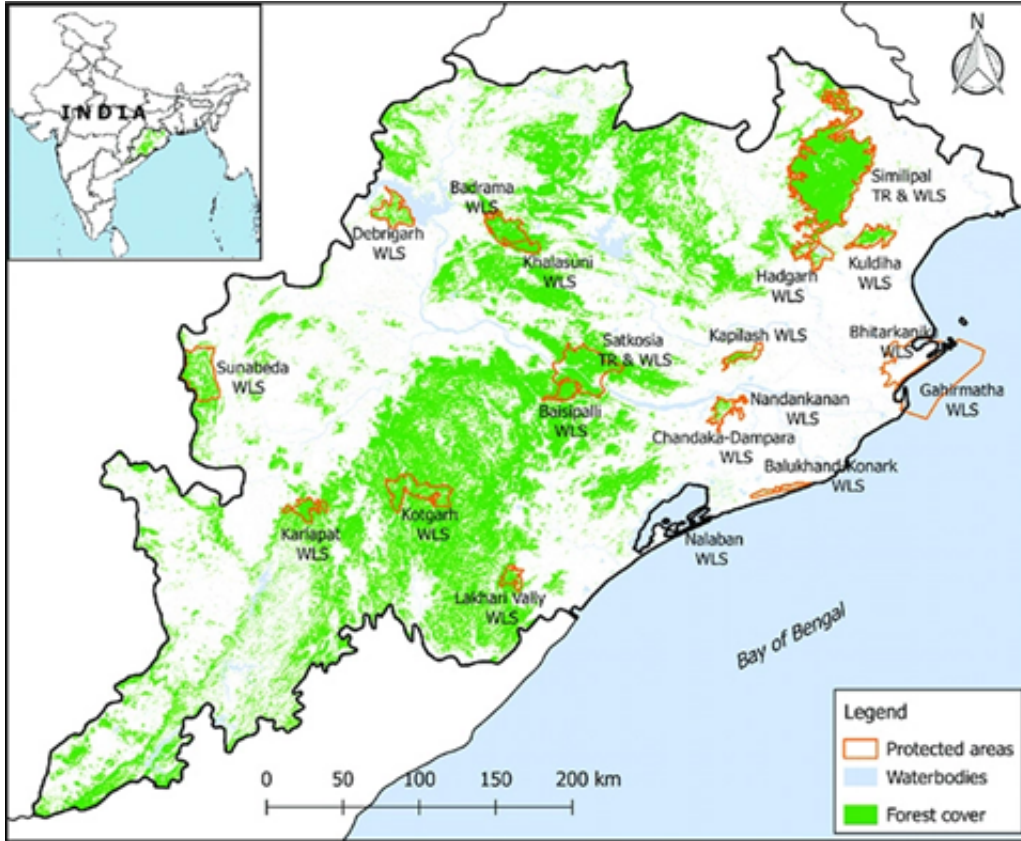


भतिरकनका राष्ट्रीय उद्यान

हाल ही में [भतिरकनका राष्ट्रीय उद्यान](#) में मगरमच्छों की आबादी एक संतृप्त बटु पर पहुँच गई है जिससे और अधिक मानव-मगरमच्छ संघर्ष की घटनाएँ हो सकती हैं।



भतिरकनका राष्ट्रीय उद्यान:

परिचय:

- भतिरकनका राष्ट्रीय उद्यान ओडिसा में 672 वर्ग किलोमीटर के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है।
- यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा [मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र](#) है।
- इस राष्ट्रीय उद्यान में खाड़ियों और नहरों का एक नेटवर्क है जो ब्राह्मणी, बैतरनी, धामरा और पातासला नदियों के अपवाह क्षेत्र में है और यह एक अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करता है।
- बंगाल की खाड़ी से इसकी निकटता क्षेत्र की मटिटी को लवणीय तथा वनस्पतियों से समृद्ध बनाती है और अभयारण्य में मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय अंतर ज्वारीय क्षेत्रों में पाई जाने वाली प्रजातियाँ मिलती हैं।
- यह लुप्तप्राय [खारे पानी के मगरमच्छों](#) का प्रजनन स्थल है।
- गहिरमाथा समुद्र तट जो पूर्व में अभयारण्य की सीमा बनाता है, [ओलिवि रडिले समुद्री कछुओं](#) की सबसे बड़ी कॉलोनी है।
- इस उद्यान के भीतर एक अन्य अनूठा स्थल सूरजपुर क्रीक के निकट स्थिति बगागहना है जो एक हेरोनरी (जलीय पक्षियों का प्रजनन स्थल) है।
 - यहाँ हजारों पक्षी नेस्टिंग के लिये खाड़ी में कॉलोनी बनाते हैं और संसर्ग से पहले हवाई कलाबाजी का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हैं।
- भतिरकनका कगिफशिर पक्षियों (जो दुर्लभ है) की आठ कस्मों का भी अधवास है।

नहिति मुद्दे:

- **संघर्ष में वृद्धि:**
 - वर्ष 2012 के बाद से उद्यान और उसके आसपास लगभग **50 लोग मगरमच्छों द्वारा मारे गए** हैं, जबकि इसी अवधि में लगभग **25 मगरमच्छों की मानव बस्तियों में प्रवेश करने या मछली पकड़ने के जाल में फँसने से मृत्यु** हो गई।
- **क्षेत्रीय सरीसृप:**
 - मगरमच्छ एक **क्षेत्रीय जलीय सरीसृप** है, जिसका अर्थ है कि बहुत सारे मगरमच्छ एक छोटे से क्षेत्र में नहीं रह सकते हैं क्योंकि इससे **भोजन, प्रजनन आदि** के लिये उनके मध्य प्रतिस्पर्धा बढ़ जाएगी।
- **ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य:**
 - वर्ष 1991 में केंद्रीय वन और पर्यावरण मंत्रालय ने राज्य के वन विभाग को **मगरमच्छ आबादी की पर्याप्त जनसंख्या लक्ष्य तक पहुँचने** के कारण भित्तिरकनिका उद्यान में मगरमच्छ पालन कार्यक्रम को रोकने का निर्देश दिया था।
 - हालाँकि सरकार ने 1990 में मगरमच्छ प्रजनन और पालन परियोजना हेतु **वित्तपोषण कार्यक्रम को बंद** कर दिया था।
 - इसके अलावा, वन विभाग ने वर्ष 1995 में उद्यान में मगरमच्छों के प्रजनन और उन्हें मुक्त करने के कार्यक्रम को रोक दिया था क्योंकि मगरमच्छों की आबादी **94 से बढ़कर वर्ष 1975 में लगभग 1,000 तक पहुँच गई थी**।

मगरमच्छ संरक्षण परियोजना:

- भित्तिरकनिका में मगरमच्छ संरक्षण परियोजना की शुरुआत वर्ष 1975 में हुई थी।
- इसका मुख्य उद्देश्य **सरीसृपों के प्राकृतिक आवासों की रक्षा करना और कैप्टिव प्रजनन के माध्यम से आबादी का पुनर्निर्माण करना** था क्योंकि प्रकृति में मगरमच्छों के बच्चों के जीवित रहने की दर शिकार के कारण कम है।
- ओडिशा भारतीय **मगरमच्छों की तीनों प्रजातियों** के आवास के लिये प्रसिद्ध है, वर्ष 1975 में यहाँ पहली बार घड़ियाल और खारे पानी के मगरमच्छ के संरक्षण का कार्यक्रम शुरू किया गया था और उसके बाद मगर संरक्षण योजना आई।
- **UNDP/FAO** ने भारत सरकार के माध्यम से वित्त और अन्य तकनीकी सहायता प्रदान की है।

आगे की राह:

मगरमच्छों की जनसंख्या में आई कमी के लिये कदम उठाने की जरूरत है और साथ ही सरकार को भित्तिरकनिका और महानदी नदी प्रणाली के पूरे मैंग्रोव जंगलों की आर्द्रभूमि में मगरमच्छों के पुनर्वितरण के लिये भी कदम उठाने की जरूरत है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, पछिले वर्षों प्रश्न (PYQ):

प्रलिसि:

प्रश्न. यदि आप घड़ियाल को उनके प्राकृतिक आवास में देखना चाहते हैं, तो निम्नलिखित में से कसि स्थान पर जाना सबसे सही है?(2017)

- (a) भित्तिरकनिका मैंग्रोव
- (b) चंबल नदी
- (c) पुलकिट झील
- (d) दीपोर बील

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य, जसि राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल वन्यजीव अभयारण्य भी कहा जाता है, गंभीर रूप से लुप्तप्राय घड़ियाल, रेड क्राउन रूफ टर्टल और लुप्तप्राय गंगा नदी डॉल्फिन के संरक्षण के लिये उत्तरी भारत में 5,400 वर्ग कमी त्रि-राज्य अर्थात् मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश संरक्षित क्षेत्र है।
- घड़ियाल (गैवलिस् गैंगेटिस) जसि गेविल के रूप में भी जाना जाता है, जो मछली खाने वाला मगरमच्छ परिवार गैविलिडि से संबंधित है, यह भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तरी भाग का स्थानिक है।
- जंगली घड़ियाल की वैश्विक आबादी का अनुमान 235 से कम है, जनिहें नदी के आवास के नुकसान, मछली संसाधनों की कमी और मछली पकड़ने के जाल में उलझने का खतरा है। चूँकि वर्ष 1930 के दशक के बाद से जनसंख्या में भारी गिरावट आई है, घड़ियाल को IUCN रेड लिस्ट में गंभीर रूप से संकटग्रस्त के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

अतः विकल्प (b) सही है।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/bhitarkanika-national-park-1>

